# ना ना करते...

रमाकान्त अग्निहोत्री

क्या तुमने कभी सोचा है कि दुनिया भर में कितनी भाषाएँ बोली जाती होंगी? ठीक से तो यह बात कोई भी नहीं जानता। आखिर *पाँच कोस पर पानी बदले और दस कोस पर वाणी* – कुछ ऐसा ही कहते हैं ना! दुनिया में लगभग सात-आठ हज़ार भाषाएँ बोली जाती हैं। लगभग सोलह सौ तो हमारे देश में ही बोली जाती हैं। तुम्हें क्या लगता है कि क्या ऐसा हो सकता है कि दुनिया भर की भाषाओं में वाक्यों को बदलने के एक-दो ही तरीके हों और वह भी हम वाक्य संरचना के आधार पर बिना भाषा जाने ही बता सकें। हाथ कंगन को आरसी क्या, कर के देख लेते हैं। *चकमक* पढ़ने वाले बच्चे भी अलग-अलग भाषाएँ बोलते होंगे। यही नहीं तुम्हारी कक्षा में भी कई बच्चे होंगे जो कोई ऐसी भाषा बोलते होंगे जो तुम नहीं बोलते। बहुत से बच्चे तो हिन्दी ही बोलते होंगे लेकिन काफी बच्चे होंगे जो मालवी, निमाड़ी, बुन्देलखण्डी, बघेली, मराठी या गुजराती भी बोलते होंगे, कुछ बच्चे अँग्रेज़ी जानते होंगे और कुछ बच्चे गोंडी, भीली जैसी भाषाएँ भी बोलते होंगे।

कभी तुमने सोचा है कि तुम्हारी भाषा में किसी वाक्य को नकारने के लिए क्या करते हैं? मतलब "ना" या "नहीं" आदि का प्रयोग कैसे करते हैं? वैसे तो सामान्य रूप से नकारने के हर भाषा में तीन ही तरीके हो सकते हैं या तो "ना", "नहीं", "मत" जैसे किसी शब्द का प्रयोग कर लो, या शब्द का विलोम ले लो या फिर शब्द की शक्ल कुछ बदल लो। जैसे हिन्दी का यह वाक्य लो – "यह बात सच है।" इसे नकारने के लिए इस तरह कहेंगे:

1. यह बात सच नहीं है।
2. यह बात झूठी है।
3. यह बात असत्य है।

लेकिन अधिकतर तो हम लगभग सभी भाषाओं में "ना", "नहीं" का ही प्रयोग करते हैं। सवाल यह है कि "ना", "नहीं" आदि का प्रयोग कहाँ किया जाता है? वाक्य के शुरू में, बीच में, या फिर अन्त में? या "नहीं" की प्रकृति कुछ ऐसी है कि वह क्रिया के आसपास ही चिपका रहता है, हर भाषा में।

क्या ऐसे भी कुछ शब्द या मुहावरे होते हैं जिनका प्रयोग "नहीं" आदि के बिना हो ही नहीं सकता? हिन्दी और अँग्रेज़ी में तो ऐसे शब्द हैं ही। तुम्हारी भाषाओं में भी ज़रूर होंगे। जैसे "हरगिज़" या "फूटी कौड़ी"। इनका प्रयोग देखो:

- मैं हरगिज़ यह खाना नहीं खाऊँगा।
- मेरे पास तो एक फूटी कौड़ी भी नहीं बची।

क्या ये वाक्य बिना "नहीं" के प्रयोग के बोले जा सकते हैं? अपनी भाषाओं के बारे में सोचो ज़रा। कुछ सोचो, अगले अंक में आगे बात करेंगे, कुछ प्रयोग करके लिख भेजो तो और भी अच्छा। चकमक

## चोंच

फोटो: नवेन्दु लाड

चिड़िया की चोंच
चूज़े की चोंच
चूज़े की चोंच में
चिड़िया की चोंच

चुग्गा लाए
चिड़िया की चोंच
चुग्गा खाए
चूज़े की चोंच

*– प्रमोद*

## खारा-खारा

ए बी सी डी आवै नहीं
गुरूजी पढ़ावै नहीं
पेपर आवै भारा-भारा
मन्ने लागे खारा-खारा

*– प्रस्तुति: पूनमचंद, 10 वर्ष, गाँव-पलीना, जोधपुर, राजस्थान*